विद्युत क्षेत्र में सहायक क्षेत्रों पर व्यय

2359. श्रीमती सुषमा स्वराज:
श्री राम जेठमलानी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान बिजली क्षेत्र में व्यय किये जाने वाले संपूर्ण व्यय को अलग-अलग सहायक क्षेत्रों में बांटा गया है;

(ख) यदि हां, तो बिजली उत्पादन क्षमता सृजन में, वर्तमान व्यवस्था को सुचारू बनाने व उसके रख-रखाव में, प्रेषण और वितरण व्यवस्था में सुधार-हेतु ग्रामीण विद्युत और अन्य अतिरिक्त मामलों के लिए पंचवर्षीय योजना के लिए निर्धारित कुल व्यय राशि का कितना-कितना प्रतिशत व्यय करने का निश्चय किया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि 1993-94 वर्ष के अंत तक निर्धारित किए गये मानदंड के अनुसार ही व्यय किया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके संबंध में क्या तथ्य हैं और उस अवधि के दौरान उपर्युक्त मदों पर कुल कितनी-कितनी राशि अलग-अलग व्यय की गयी है, तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 1993-94 तक कुल कितनी राशि बिजली क्षेत्र में व्यय की गयी है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन चिमनभाई पटेल): (क) और (ख) विद्युत क्षेत्र हेतु परिव्ययों का ब्यौरा, जैसा कि आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) के प्रलेखों में दर्शाया गया है, निम्नवत् है:-

(करोड़ रुपये में)

राज्य	संघ शासित क्षेत्र	केन्द्र	कुल	प्रतिशत
विद्युत उत्पादन	2473.78	354.24	24337.13	49424.15	62.00
पारेषण एवं वितरण	16782.41	1061.53	4436.81	22280.75	28.00
ग्रामीण विद्युतीकरण	4000.00	-	-	4000.00	5.02
नवीकरण एवं आधुनिकीकरण	1225.74	13.40	537.30	1776.44	2.23
विविध	200.93	16.71	1870.34	2107.98	2.65
कुल:	**46961.86**	**1445.88**	**31181.58**	**79589.32**	

(ग) एवं (घ) जहां तक केन्द्रीय क्षेत्र का संबंध है, आठवीं योजना के पहले दो वर्षों के दौरान 1993-94 के अन्त तक खर्च की गई राशि निम्नवत है:-

(करोड़ रुपये में)

संगठन/स्कीमें	वर्ष 1992-93 के लिए परिव्यय		वर्ष 1993-94 के लिए परिव्यय	
	बजट अनुमान	वास्तविक	बजट अनुमान	वास्तविक
विद्युत उत्पादन	4465.00	3438.31	5226.00	4662.21
पारेषण एवं वितरण	465.78	91.56	853.44	771.56
विविध	236.22	71.28	189.06	122.59
कुल:	**5167.00**	**3601.15**	**6268.50**	**5556.36**
ग्रामीण विद्युतीकरण*	510.00	474.26	600.00	691.98

* आर०ई०सी० के माध्यम से खर्च की गई राशि शामिल है, परन्तु राज्य सरकार के अपने संसाधनो के माध्यम से ग्रामीण विद्युतिकरण कार्यक्रमों पर खर्च इसमें शामिल नहीं है।

व्यय में कमी का मुख्य कारण विशेषकर वर्ष 1992-93 के दौरान बाजार में पूंजी की अत्यन्त कठिन स्थितियों के कारण विद्युत मंत्रालय के अधीनस्थ केन्द्रीय क्षेत्र वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बाण्डों के माध्यम से संसाधन जुटाने में असमर्थता है

राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा रुग्ण वस्त्र मिलों का अधिग्रहण किया जाना

2360. **श्री अजीत जोगी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा अपनी स्थापना के